

[श्री एस. एस. अहलुवालिया]  
विदेशों में, आपने बहुत सारे उदाहरण दिए हैं, जो ग्रुप फोरमूलेट किए गए थे उसमें इंटरनेशनल चैम्बर ऑफ कॉमर्स से सजेन्स लिए गए हैं, फिर यूनाइटेड नेशन्स बम्बेशन आन मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट ऑफ गुड्स 1980 का हवाला दिया है, पर मैं यह कहना चाहता हूँ कि फॉरन कंट्री में जहाँ पर 5 लेन, 6 लेन या 7 लेन के रोड हैं, उसमें एक परटिकुलर लेन जो है, वह सिर्फ कंटेनर के लिए होती है, उसमें सिर्फ कंटेनर मूव कर सकते हैं और बहुत फास्ट मूव करते हैं, उनके लिए कोई अड्जन नहीं होती, कोई स्कावट नहीं होती और बंदरगाह तक पहुंचने के लिए उनको एकदम ग्रीन चैनल मिलती है। क्या आपके पास कोई प्रावधान है? क्या आपने ऐसी कुछ गुंजाइश की है? हम तो अभी दो लेन के भी रोड नहीं बना सके। तो रोड कंडीशन जब तक नहीं सुधारे गें तो सिर्फ कंटेनर में माल भरकर भेजने से हम कैसे उसमें द्रुत गति ला सकते हैं या कैसे उसको फास्ट कर सकते हैं? सिर्फ इस बात के बिना हमने उन्नति कर ली है। पहले बोरों में और लकड़ी के बक्सों में सामान बंधकर जाता था और उसको वहाँ जहाज पर लाद दिया जाता था और अब उसको कंटेनर में डालकर भेजा जाएगा और वह कंटेनर जहाज पर चढ़ जाएगा। इससे कितना फर्क हो जाएगा? सबसे बड़ी जरूरत जो है, यह आपका कंटेनर सिस्टम, यह एयर, रोड, रेल और शिप लिंक है, इन चारों की ओर इन चारों में आप देखिये कि आपका इन्फ्रास्ट्रक्चर कौन सा, कितना सुदृढ़ है और यह सिर्फ सरफे ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री का काम नहीं है, इसमें रेलवे मिनिस्ट्री जुड़ा हुई है, इसमें सिविल एंवीएशन जुड़ा हुआ है और तभी आप इसको सार्थक रूप दे सकेंगे। मुझे यह बात समझ में नहीं आई कि किन मजदूरियों के कारण इतनी जल्दी यह बिल लाने को कोशिश की गई और आडिनेन्स पास किया गया। यह एक अच्छा बिल है और इस बिल

को लाने पर पूरा सोच-विचार करने की जरूरत है और मैं समझता हूँ कि मंत्री महोदय इसको लागू करने के साथ-साथ इस पर सोच विचार करेंगे और दूसरा, यह कंटेनर जिसे तरह हमको अभी पता चल रहा है, जितने भी सरकारी काम हैं वह किसी न किसी प्राइवेट कम्पनी को दिए जा रहे हैं।  
..... (अवधान) "

5.00 P.M.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI) : Mr. Ahluwalia, if you don't mind, I would like to know how much time you will take because we have to take up the Special Mentions at 5-00.

SHRI S. S. AHLUWALIA : Is it at 5.00 or 5.30 ?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI) : It is at 5-00.

SHRI S. S. AHLUWALIA : I will speak after the Special Mentions or tomorrow.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI) : If the House gives its sense to continue after 5.30 after the Special Mentions, you can speak. If the House adjourns for tomorrow, you can speak tomorrow. Now we shall take up the Special Mentions.

Shri Satish Pradhan, Shri Kamal Morarka, Shri H. Hanumantliappa. Shri Maulana Obaidullah Khan Azmi—absent. Shri S. S. Ahluwalia.

#### SPECIAL MENTIONS PLIGHT OF SIKHS IN TERAJ REGION OF UTTAR PRADESH

श्री एस. एस. अहलुवालिया (बिहार) :  
उपसमाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से उत्तर प्रदेश में रहने वाले सिखों के साथ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किए गए अत्याचार के बारे में आपका ध्यान आकर्षित करता चाहता हूँ। उपसमाध्यक्ष महोदय, आपको अच्छी तरह ज्ञात होगा कि पिछले साल पीलीभीत में तीर्थ यात्रियों की एक बस में से करीब 18 यात्रियों को उतारकर मार दिया गया था और वह सिख तीर्थ यात्री थे। हम एक डेलीगेशन में भी वहाँ गए थे और वहाँ जाकर उनका सारा व्यौरा लिया गया था। यह

बस वहाँ-वहाँ, किस-किस तीर्थ स्थान पर दर्शन करने के लिए खासकर के गई थी — पटना साहिब, गुरु गोबिन्द सिंह जी के जन्म-स्थान पर, नान्देव, गुरु गोबिन्द सिंह के देह त्यागने के स्थान पर और उसके बाद खालियर होते हुए वह लौटी थी। यह कह दिया गया था कि यहाँ कल कोई बारदात हुई थी इसलिए उन पर घेरा डाला गया था और वे एनकाउंटर में मर गए। उप-सभाध्यक्ष महोदय, बरामदगी के नाम पर उनसे बरामद की गई जो बन्दूक दिखाई थी वह 12 बोर की बन्दूक थी, जबकि हमें अच्छी तरह पता है कि विदेशी शक्तियाँ देश के आतंकवादियों को हर तरह के अस्त्र-शस्त्र से मदद कर रही हैं तथा वह कम से कम उनका 12 बोर की बन्दूक तो नहीं दे रहे हैं। लेकिन उस इलाके में इन 18 यात्रियों को बस से उतारकर मार डाला गया और 12 बोर की बन्दूक बरामद करके कहा गया कि इन्होंने पुलिस पर गोली चलाई थी, जो कि निराधार था। वहाँ के पुलिस अफसर, उप-सभाध्यक्ष महोदय, बहुत फेमस पुलिस अफसर हैं, जिन्होंने मलियाना कांड में मायनोरिटी कम्युनिटी के लोगों को मारकर बोरे में बांधकर नहर में फेंक दिया था और जिसके लिए उनको सस्पेंड भी किया गया था। वही पुलिस अफसर वहाँ पर पदस्थ थे। पुलिस का जो आतंक वहाँ दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है, उप-सभाध्यक्ष महोदय, मैं मान सकता हूँ कि पंजाब में आतंकवादी खालिस्तान की मांग करते होंगे, मैं मान सकता हूँ कि वहाँ पर विदेशी शक्तियों से मिलकर आतंकवादी अलगाववाद की बात करते होंगे, पर मैं यह नहीं मान सकता कि तराई के इलाके में कोई सिख ठीठा अलगाव की बात कर रहा हो या खालिस्तान की मांग कर रहा हो। उप-सभाध्यक्ष महोदय, पिछले कई दिनों से वहाँ जो आतंक पुलिस ने फैला रखा है और वहाँ सिर्फ आतंक ही नहीं अब सरेआम जो शहर के गन्डे और बदमाश हैं उनको स्पेशल पुलिस अफसर बनाया गया है और इनको हर तरह से बाबी गाँड़ देकर, पी० ए० सी० की पूरी

फौज देकर रखा जाता है। यह लोग बा-कायदा दहशत फैलाकर जो लेण्ड लॉर्ड्स हैं या जिनकी जमीन है और जिनके फार्म हैं उनको उठाकर लेकर उनसे पैसा इकट्ठा करते हैं और न मिलने पर उनको टांडा में बुक कर दिया जाता है। उप-सभाध्यक्ष महोदय, इस बारे में एक महोदय का नाम लेना चाहता हूँ जिनकी उत्तर प्रदेश सरकार में बहुत पहुँच है। उनका नाम है पंडित गुरुचरण लाल शर्मा, जो कि स्पेशल पुलिस अफिसर नियुक्त किए गए हैं यू० पी० सरकार की तरफ से और इनको बाकायदा पी० ए० सी० की पूरी भारदबी गई है इनकी रक्षा करने के लिए ..... (व्यवधान)

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ (Har-  
yana) : I am on a point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED  
SIBTEY RAZI) : What is your point of order  
?

श्रीमती सुषमा स्वराज : उन्होंने अभी अपना ये विशेष उल्लेख करते हुए एक व्यक्ति का नाम लिया। आप जानते हैं कि जो व्यक्ति सदन का सदस्य नहीं है और स्वयं को डिफेंड नहीं कर सकता, उसका नाम लिए बगैर उल्लेख तो किया जा सकता है, नाम लेकर उल्लेख नहीं किया जा सकता। इसलिए मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है आप से कि कम-से-कम नाम लेने के लिए उन्हें मना करें और रिकार्ड से उनका नाम निकलवा दें।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED  
SIBTEY RAZI) : I will look into the record.

श्री ए० ए० अहलुवालिया : अब अगर क्रिमिनल लोगों का नाम भी सदन में नहीं लिया जाए तो विशेष उल्लेख करने का मतलब ही क्या है ?

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप देख लीजिए  
..... (व्यवधान)

श्री ए० ए० अहलुवालिया : जो लोग सरेआम बदमाशी करें, सरेआम सरकार की

[श्री एस० एस० अहलुवालिया]

मदद से माइनोरिटी के, अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को परेशान करें, उनका नाम लेने में ही यहां दिक्कत है तो यहां क्या करेगा आदमी ..... (व्यवधान) किसलिए विशेष उल्लेख करेगा ?

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप उस नाम को रिकार्ड से निकलवा दीजिए ।

श्री एस० एस० अहलुवालिया : उप-सभाध्यक्ष महोदय, यह मेरी बात नहीं है .. (व्यवधान)

श्री विष्णुकांत शास्त्री : (उत्तर प्रदेश) : नियम एक होना चाहिए सबके लिए । जो नियम सबके लिए है वह उनके लिए होना चाहिए ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEV JRAZI) : Whatever names he has taken, on your request, I shall look into the record and if they are against the rules of the House. (Interruptions)

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (UTTAR PRADESH) : Unless a person is present in the House, his name should not be used or it requires a prior sanction ... (Interruptions)

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ : You cannot name any person. You cannot allege anything and everything against anybody. That person cannot come here and defend himself.

श्री एस० एस० अहलुवालिया : जो रोज यहां पर हर्षद मेहता का नाम लिया जाता था वह नहीं था ?

कानून सबके लिए बराबर बनाईए ..... (व्यवधान) मैं दूसरा नाम ले रहा हूं सुनिए .....

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : क्या नाम नहीं लेना चाहिए ? अगर कोई व्यक्ति अपराधी है तो उसका नाम नहीं लेना चाहिए ..... (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : आरोपी और अपराधी में अन्तर है । आप मुख्यमंत्री रह

चुके हैं । वह आरोपी है, अपराधी नहीं है । अगर वह कह रहे हैं तो दोषारोपण कर रहे हैं ..... (व्यवधान)

श्री एस० एस० अहलुवालिया : उप-सभाध्यक्ष महोदय, मैं इनकी बता देना चाहता हूं कि मुझे ऐसा लगता है कि ये पंडित गुरु-वचन लाल शर्मा को बहुत अच्छी तरह से जानती है कि वह अपराधी नहीं है ..... (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं जानती नहीं हूं इसलिए कह रही हूं ।

श्री एस० एस० अहलुवालिया : आप नहीं जानती हैं, मैं जानता हूं इसलिए कह रहा हूं ।

श्री राम नरेश यादव : फिर क्यों कह रही हैं जब आप जानती नहीं हैं ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : तभी तो कह रही हूं कि आरोपी हैं ..... (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : अगर केवल मुजरिम के नाम कहते कि मुजरिम है, हमें कोई एतराज नहीं होता । कहीं कोर्ट में केस होता तो भी एतराज नहीं होता । जब वह यह कहते हैं कि उत्तर प्रदेश की सरकार से मिलीभगत कर रहे हैं इसका मतलब मोटिव साफ है कि एक आदमी को बदनाम करने के लिए कर रहे हैं । नाम नहीं लिया जाना चाहिए ।

उपसभाध्यक्ष (श्री सैयद शिबते रजी) : माननीय सदस्य की जो चिंता है उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि इस हाउस की और इस सदन की परम्परा रही है कि व्यक्तिगत आक्षेप नहीं किए जाते लेकिन संदर्भ बराबर बनाए रखने के लिए यदि किसी का नाम आता है तो मैं समझता हूं उसमें उनकी कोई इस तरह की इच्छा नहीं है कि किसी आदमी को अलग करके वे उसका नाम ले रहे हैं लेकिन संदर्भ के तहत

यदि नाम आ रहा है तो मैं समझता हूँ कि इस हाउस की जो परम्पराएँ हैं उस के खिलाफ यह बात नहीं है और माननीय सदस्य को इस बात का बुरा नहीं मानना चाहिए।

اپ سید اوسٹیکش (شری سید سبط)  
 (کئی) مانفٹے سڈ سٹیٹ کی جو چٹا ہے  
 اس کے بارے میں میں کہنا چاہوں گا  
 کہ اس ہاؤس کی اور اس سڈن کی  
 پر پورا رہی ہے کہ وہ یکیت و کشید نہیں  
 لئے جاتے لیکن سڈ رہہ برابر بناتے  
 رکھنے کے لئے یدی کسی کا نام آتا ہے  
 تو میں سمجھتا ہوں اس میں انکی کوئی اس  
 طرح کی اچھا نہیں ہے کہ کسی آدمی کو الگ  
 کر کے وہ اس کا نام لے رہے ہیں لیکن  
 سڈ رہہ کے تحت یدی نام آ رہا ہے تو  
 میں سمجھتا ہوں کہ اس ہاؤس کی جو پڑ پڑی  
 میں اس کے خلاف یہ بات نہیں ہے اور  
 مانفٹے سڈ سٹیٹ کو اس بات کا برا نہیں  
 ماننا چاہیے۔

● 118-119-120-121-122-123-124-125-126-127-128-129-130-131-132-133-134-135-136-137-138-139-140-141-142-143-144-145-146-147-148-149-150-151-152-153-154-155-156-157-158-159-160-161-162-163-164-165-166-167-168-169-170-171-172-173-174-175-176-177-178-179-180-181-182-183-184-185-186-187-188-189-190-191-192-193-194-195-196-197-198-199-200-201-202-203-204-205-206-207-208-209-210-211-212-213-214-215-216-217-218-219-220-221-222-223-224-225-226-227-228-229-230-231-232-233-234-235-236-237-238-239-240-241-242-243-244-245-246-247-248-249-250-251-252-253-254-255-256-257-258-259-260-261-262-263-264-265-266-267-268-269-270-271-272-273-274-275-276-277-278-279-280-281-282-283-284-285-286-287-288-289-290-291-292-293-294-295-296-297-298-299-300-301-302-303-304-305-306-307-308-309-310-311-312-313-314-315-316-317-318-319-320-321-322-323-324-325-326-327-328-329-330-331-332-333-334-335-336-337-338-339-340-341-342-343-344-345-346-347-348-349-350-351-352-353-354-355-356-357-358-359-360-361-362-363-364-365-366-367-368-369-370-371-372-373-374-375-376-377-378-379-380-381-382-383-384-385-386-387-388-389-390-391-392-393-394-395-396-397-398-399-400-401-402-403-404-405-406-407-408-409-410-411-412-413-414-415-416-417-418-419-420-421-422-423-424-425-426-427-428-429-430-431-432-433-434-435-436-437-438-439-440-441-442-443-444-445-446-447-448-449-450-451-452-453-454-455-456-457-458-459-460-461-462-463-464-465-466-467-468-469-470-471-472-473-474-475-476-477-478-479-480-481-482-483-484-485-486-487-488-489-490-491-492-493-494-495-496-497-498-499-500-501-502-503-504-505-506-507-508-509-510-511-512-513-514-515-516-517-518-519-520-521-522-523-524-525-526-527-528-529-530-531-532-533-534-535-536-537-538-539-540-541-542-543-544-545-546-547-548-549-550-551-552-553-554-555-556-557-558-559-560-561-562-563-564-565-566-567-568-569-570-571-572-573-574-575-576-577-578-579-580-581-582-583-584-585-586-587-588-589-590-591-592-593-594-595-596-597-598-599-600-601-602-603-604-605-606-607-608-609-610-611-612-613-614-615-616-617-618-619-620-621-622-623-624-625-626-627-628-629-630-631-632-633-634-635-636-637-638-639-640-641-642-643-644-645-646-647-648-649-650-651-652-653-654-655-656-657-658-659-660-661-662-663-664-665-666-667-668-669-670-671-672-673-674-675-676-677-678-679-680-681-682-683-684-685-686-687-688-689-690-691-692-693-694-695-696-697-698-699-700-701-702-703-704-705-706-707-708-709-710-711-712-713-714-715-716-717-718-719-720-721-722-723-724-725-726-727-728-729-730-731-732-733-734-735-736-737-738-739-740-741-742-743-744-745-746-747-748-749-750-751-752-753-754-755-756-757-758-759-760-761-762-763-764-765-766-767-768-769-770-771-772-773-774-775-776-777-778-779-780-781-782-783-784-785-786-787-788-789-790-791-792-793-794-795-796-797-798-799-800-801-802-803-804-805-806-807-808-809-810-811-812-813-814-815-816-817-818-819-820-821-822-823-824-825-826-827-828-829-830-831-832-833-834-835-836-837-838-839-840-841-842-843-844-845-846-847-848-849-850-851-852-853-854-855-856-857-858-859-860-861-862-863-864-865-866-867-868-869-870-871-872-873-874-875-876-877-878-879-880-881-882-883-884-885-886-887-888-889-890-891-892-893-894-895-896-897-898-899-900-901-902-903-904-905-906-907-908-909-910-911-912-913-914-915-916-917-918-919-920-921-922-923-924-925-926-927-928-929-930-931-932-933-934-935-936-937-938-939-940-941-942-943-944-945-946-947-948-949-950-951-952-953-954-955-956-957-958-959-960-961-962-963-964-965-966-967-968-969-970-971-972-973-974-975-976-977-978-979-980-981-982-983-984-985-986-987-988-989-990-991-992-993-994-995-996-997-998-999-1000-1001-1002-1003-1004-1005-1006-1007-1008-1009-1010-1011-1012-1013-1014-1015-1016-1017-1018-1019-1020-1021-1022-1023-1024-1025-1026-1027-1028-1029-1030-1031-1032-1033-1034-1035-1036-1037-1038-1039-1040-1041-1042-1043-1044-1045-1046-1047-1048-1049-1050-1051-1052-1053-1054-1055-1056-1057-1058-1059-1060-1061-1062-1063-1064-1065-1066-1067-1068-1069-1070-1071-1072-1073-1074-1075-1076-1077-1078-1079-1080-1081-1082-1083-1084-1085-1086-1087-1088-1089-1090-1091-1092-1093-1094-1095-1096-1097-1098-1099-1100-1101-1102-1103-1104-1105-1106-1107-1108-1109-1110-1111-1112-1113-1114-1115-1116-1117-1118-1119-1120-1121-1122-1123-1124-1125-1126-1127-1128-1129-1130-1131-1132-1133-1134-1135-1136-1137-1138-1139-1140-1141-1142-1143-1144-1145-1146-1147-1148-1149-1150-1151-1152-1153-1154-1155-1156-1157-1158-1159-1160-1161-1162-1163-1164-1165-1166-1167-1168-1169-1170-1171-1172-1173-1174-1175-1176-1177-1178-1179-1180-1181-1182-1183-1184-1185-1186-1187-1188-1189-1190-1191-1192-1193-1194-1195-1196-1197-1198-1199-1200-1201-1202-1203-1204-1205-1206-1207-1208-1209-1210-1211-1212-1213-1214-1215-1216-1217-1218-1219-1220-1221-1222-1223-1224-1225-1226-1227-1228-1229-1230-1231-1232-1233-1234-1235-1236-1237-1238-1239-1240-1241-1242-1243-1244-1245-1246-1247-1248-1249-1250-1251-1252-1253-1254-1255-1256-1257-1258-1259-1260-1261-1262-1263-1264-1265-1266-1267-1268-1269-1270-1271-1272-1273-1274-1275-1276-1277-1278-1279-1280-1281-1282-1283-1284-1285-1286-1287-1288-1289-1290-1291-1292-1293-1294-1295-1296-1297-1298-1299-1300-1301-1302-1303-1304-1305-1306-1307-1308-1309-1310-1311-1312-1313-1314-1315-1316-1317-1318-1319-1320-1321-1322-1323-1324-1325-1326-1327-1328-1329-1330-1331-1332-1333-1334-1335-1336-1337-1338-1339-1340-1341-1342-1343-1344-1345-1346-1347-1348-1349-1350-1351-1352-1353-1354-1355-1356-1357-1358-1359-1360-1361-1362-1363-1364-1365-1366-1367-1368-1369-1370-1371-1372-1373-1374-1375-1376-1377-1378-1379-1380-1381-1382-1383-1384-1385-1386-1387-1388-1389-1390-1391-1392-1393-1394-1395-1396-1397-1398-1399-1400-1401-1402-1403-1404-1405-1406-1407-1408-1409-1410-1411-1412-1413-1414-1415-1416-1417-1418-1419-1420-1421-1422-1423-1424-1425-1426-1427-1428-1429-1430-1431-1432-1433-1434-1435-1436-1437-1438-1439-1440-1441-1442-1443-1444-1445-1446-1447-1448-1449-1450-1451-1452-1453-1454-1455-1456-1457-1458-1459-1460-1461-1462-1463-1464-1465-1466-1467-1468-1469-1470-1471-1472-1473-1474-1475-1476-1477-1478-1479-1480-1481-1482-1483-1484-1485-1486-1487-1488-1489-1490-1491-1492-1493-1494-1495-1496-1497-1498-1499-1500-1501-1502-1503-1504-1505-1506-1507-1508-1509-1510-1511-1512-1513-1514-1515-1516-1517-1518-1519-1520-1521-1522-1523-1524-1525-1526-1527-1528-1529-1530-1531-1532-1533-1534-1535-1536-1537-1538-1539-1540-1541-1542-1543-1544-1545-1546-1547-1548-1549-1550-1551-1552-1553-1554-1555-1556-1557-1558-1559-1560-1561-1562-1563-1564-1565-1566-1567-1568-1569-1570-1571-1572-1573-1574-1575-1576-1577-1578-1579-1580-1581-1582-1583-1584-1585-1586-1587-1588-1589-1590-1591-1592-1593-1594-1595-1596-1597-1598-1599-1600-1601-1602-1603-1604-1605-1606-1607-1608-1609-1610-1611-1612-1613-1614-1615-1616-1617-1618-1619-1620-1621-1622-1623-1624-1625-1626-1627-1628-1629-1630-1631-1632-1633-1634-1635-1636-1637-1638-1639-1640-1641-1642-1643-1644-1645-1646-1647-1648-1649-1650-1651-1652-1653-1654-1655-1656-1657-1658-1659-1660-1661-1662-1663-1664-1665-1666-1667-1668-1669-1670-1671-1672-1673-1674-1675-1676-1677-1678-1679-1680-1681-1682-1683-1684-1685-1686-1687-1688-1689-1690-1691-1692-1693-1694-1695-1696-1697-1698-1699-1700-1701-1702-1703-1704-1705-1706-1707-1708-1709-1710-1711-1712-1713-1714-1715-1716-1717-1718-1719-1720-1721-1722-1723-1724-1725-1726-1727-1728-1729-1730-1731-1732-1733-1734-1735-1736-1737-1738-1739-1740-1741-1742-1743-1744-1745-1746-1747-1748-1749-1750-1751-1752-1753-1754-1755-1756-1757-1758-1759-1760-1761-1762-1763-1764-1765-1766-1767-1768-1769-1770-1771-1772-1773-1774-1775-1776-1777-1778-1779-1780-1781-1782-1783-1784-1785-1786-1787-1788-1789-1790-1791-1792-1793-1794-1795-1796-1797-1798-1799-1800-1801-1802-1803-1804-1805-1806-1807-1808-1809-1810-1811-1812-1813-1814-1815-1816-1817-1818-1819-1820-1821-1822-1823-1824-1825-1826-1827-1828-1829-1830-1831-1832-1833-1834-1835-1836-1837-1838-1839-1840-1841-1842-1843-1844-1845-1846-1847-1848-1849-1850-1851-1852-1853-1854-1855-1856-1857-1858-1859-1860-1861-1862-1863-1864-1865-1866-1867-1868-1869-1870-1871-1872-1873-1874-1875-1876-1877-1878-1879-1880-1881-1882-1883-1884-1885-1886-1887-1888-1889-1890-1891-1892-1893-1894-1895-1896-1897-1898-1899-1900-1901-1902-1903-1904-1905-1906-1907-1908-1909-1910-1911-1912-1913-1914-1915-1916-1917-1918-1919-1920-1921-1922-1923-1924-1925-1926-1927-1928-1929-1930-1931-1932-1933-1934-1935-1936-1937-1938-1939-1940-1941-1942-1943-1944-1945-1946-1947-1948-1949-1950-1951-1952-1953-1954-1955-1956-1957-1958-1959-1960-1961-1962-1963-1964-1965-1966-1967-1968-1969-1970-1971-1972-1973-1974-1975-1976-1977-1978-1979-1980-1981-1982-1983-1984-1985-1986-1987-1988-1989-1990-1991-1992-1993-1994-1995-1996-1997-1998-1999-2000-2001-2002-2003-2004-2005-2006-2007-2008-2009-2010-2011-2012-2013-2014-2015-2016-2017-2018-2019-2020-2021-2022-2023-2024-2025-2026-2027-2028-2029-2030-2031-2032-2033-2034-2035-2036-2037-2038-2039-2040-2041-2042-2043-2044-2045-2046-2047-2048-2049-2050-2051-2052-2053-2054-2055-2056-2057-2058-2059-2060-2061-2062-2063-2064-2065-2066-2067-2068-2069-2070-2071-2072-2073-2074-2075-2076-2077-2078-2079-2080-2081-2082-2083-2084-2085-2086-2087-2088-2089-2090-2091-2092-2093-2094-2095-2096-2097-2098-2099-2100-2101-2102-2103-2104-2105-2106-2107-2108-2109-2110-2111-2112-2113-2114-2115-2116-2117-2118-2119-2120-2121-2122-2123-2124-2125-2126-2127-2128-2129-2130-2131-2132-2133-2134-2135-2136-2137-2138-2139-2140-2141-2142-2143-2144-2145-2146-2147-2148-2149-2150-2151-2152-2153-2154-2155-2156-2157-2158-2159-2160-2161-2162-2163-2164-2165-2166-2167-2168-2169-2170-2171-2172-2173-2174-2175-2176-2177-2178-2179-2180-2181-2182-2183-2184-2185-2186-2187-2188-2189-2190-2191-2192-2193-2194-2195-2196-2197-2198-2199-2200-2201-2202-2203-2204-2205-2206-2207-2208-2209-2210-2211-2212-2213-2214-2215-2216-2217-2218-2219-2220-2221-2222-2223-2224-2225-2226-2227-2228-2229-2230-2231-2232-2233-2234-2235-2236-2237-2238-2239-2240-2241-2242-2243-2244-2245-2246-2247-2248-2249-2250-2251-2252-2253-2254-2255-2256-2257-2258-2259-2260-2261-2262-2263-2264-2265-2266-2267-2268-2269-2270-2271-2272-2273-2274-2275-2276-2277-2278-2279-2280-2281-2282-2283-2284-2285-2286-2287-2288-2289-2290-2291-2292-2293-2294-2295-2296-2297-2298-2299-2300-2301-2302-2303-2304-2305-2306-2307-2308-2309-2310-2311-2312-2313-2314-2315-2316-2317-2318-2319-2320-2321-2322-2323-2324-2325-2326-2327-2328-2329-2330-2331-2332-2333-2334-2335-2336-2337-2338-2339-2340-2341-2342-2343-2344-2345-2346-2347-2348-2349-2350-2351-2352-2353-2354-2355-2356-2357-2358-2359-2360-2361-2362-2363-2364-2365-2366-2367-2368-2369-2370-2371-2372-2373-2374-2375-2376-2377-2378-2379-2380-2381-2382-2383-2384-2385-2386-2387-2388-2389-2390-2391-2392-2393-2394-2395-2396-2397-2398-2399-2400-2401-2402-2403-2404-2405-2406-2407-2408-2409-2410-2411-2412-2413-2414-2415-2416-2417-2418-2419-2420-2421-2422-2423-2424-2425-2426-2427-2428-2429-2430-2431-2432-2433-2434-2435-2436-2437-2438-2439-2440-2441-2442-2443-2444-2445-2446-2447-2448-2449-2450-2451-2452-2453-2454-2455-2456-2457-2458-2459-2460-2461-2462-2463-2464-2465-2466-2467-2468-2469-2470-2471-2472-2473-2474-2475-2476-2477-2478-2479-2480-2481-2482-2483-2484-2485-2486-2487-2488-2489-2490-2491-2492-2493-2494-2495-2496-2497-2498-2499-2500-2501-2502-2503-2504-2505-2506-2507-2508-2509-2510-2511-2512-2513-2514-2515-2516-2517-2518-2519-2520-2521-2522-2523-2524-2525-2526-2527-2528-2529-2530-2531-2532-2533-2534-2535-2536-2537-2538-2539-2540-2541-2542-2543-2544-2545-2546-2547-2548-2549-2550-2551-2552-2553-2554-2555-2556-2557-2558-2559-2560-2561-2562-2563-2564-2565-2566-2567-2568-2569-2570-2571-2572-2573-2574-2575-2576-2577-2578-2579-2580-2581-2582-2583-2584-2585-2586-2587-2588-2589-2590-2591-2592-2593-2594-2595-2596-2597-2598-2599-2600-2601-2602-2603-2604-2605-2606-2607-2608-2609-2610-2611-2612-2613-2614-2615-2616-2617-2618-2619-2620-2621-2622-2623-2624-2625-2626-2627-2628-2629-2630-2631-2632-2633-2634-2635-2636-2637-2638-2639-2640-2641-2642-2643-2644-2645-2646-2647-2648-2649-2650-2651-2652-2653-2654-2655-2656-2657-

[श्री एस०एस० अहलुवालिया]

जेलो में डाल रहे हैं। इस अत्याचार को बंद करने की जरूरत है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ और कहना चाहता हूँ कि पूरे तराई इलाके में जुडिशल इन्क्वायरी करा जाए। वहाँ के सिद्ध दिन ब दिन समाज से दूर किये जा रहे हैं, उनके पीछे क्या कारण है, क्या उनकी जमीन निकालकर उनको भगा देना चाहते हैं? उनको कहा जा रहा है कि या तो जेल में जाओ या अपना सिर मुड़वा लो या नंगे पांव छोड़कर पंजाब की तरफ रवाना हो जाओ। अगर यह अत्याचार बंद नहीं होगा तो वहाँ पर क्रावत होने की आशंका है। इसके लिए मैं सरकार को चेतावनी देना चाहता हूँ कि सरकार इस पर जरूर कुछ न कुछ कदम उठाए और एक हाइ पावर कमेटी बनाए। जो भी टाडा में बंद है, यू०पी० के जितने भी लोग टाडा के अंदर बंद हैं, उनका रिब्यू करने की जरूरत है कि क्यों उनको रखा गया है। यही मैं सरकार से कहना चाहता हूँ।

श्री राम नरेश यादव : मान्यवर, माननीय सदस्य श्री अहलुवालिया जी ने अपने विशेष उल्लेख के माध्यम से जो पुलिस आतंकवाद का प्रश्न उठाया है उससे मैं अपने को संबंध करता हूँ। मैं यही कहना चाहता हूँ कि जहाँ भी यह बात यू०पी० में हुई है और गोली चलाकर निरोह लोगों की हत्या की जा रही है, सरकार की तरफ से, अधिकारियों की ओर से इतने लोगों को टाडा में बंद कर दिया जाता है, यह उचित नहीं है। नौजवानों को जिनका कोई हाथ नहीं है उनको नाजायज पकड़ा जा रहा है, उसका परिणाम यह हो रहा है कि वहाँ नौजवानों में असंतोष फैलता है और वह मजबूर हो कर हथियार हाथ में ले लेते हैं। इसलिए ऐसे तमाम केसेज का रिब्यू करना चाहिए जो टाडा में पकड़े गए हैं। निर्दोष लोगों को तुरन्त छोड़ देना चाहिए।

श्री मोहम्मद अक़बल उर्फ़ मौम अक़बल (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इस स्पेशल सेशन से एसोसिएट कर रहा हूँ। टाडा वाले

मसले पर बार-बार सवाल उठाया गया है कि भारतीय जनता पार्टी की जहाँ जहाँ पर सरकार है, राजस्थान में भी वही हालत है.....]†

شری محمد افضل عرونام۔ افضل  
اتر پردیش : مہودیہ میں اسپیشل مینشن

میں کہہ رہا ہوں کہ راجستھان میں  
مسئلہ پر بار بار سوال اٹھایا گیا ہے کہ  
کھاتیر جنتا پارٹی کی جہاں جہاں پر  
سرکار ہے وہاں جنتا پارٹی میں بھی وہی حال ہے

उपसमाध्यक्ष (श्री सैयद सिद्दी रज़ी) :  
आप अपने को इस स्पेशल सेशन तक ही  
सीमित रखिए।

ایک سبھا اذیکشن شری سید  
سید رازی : آپ اپنے کو اس اسپیشل  
مینشن تک ہی محدود نہ رکھیں

श्री मोहम्मद अक़बल उर्फ़ मौम अक़बल :  
मैं कह रहा हूँ कि टाडा के अन्तर्गत जिस  
तरह से भारतीय जनता पार्टी के लोग वहाँ  
गए हैं और आतंकवाद फैला रहे हैं, उनको  
भी टाडा में बंद करेंगे ?.....]†

شری محمد افضل عرونام۔ افضل  
میں کہہ رہا ہوں کہ ٹاڈا کے اندر  
جس طرح سے جنتا پارٹی کے  
لوگ داخل ہوئے ہیں اور آتंकवाद پھیل رہا  
ہے یہ سب ان کی بھی ٹاڈا میں بند کریں

Need to Improve Deplorable conditions In  
Engineering Workshop, Southern  
Railways, Arkonam

SHRI T. A. MOHAMMAD SAQHY  
(Tamil Nadu) : This Special Mention is

†[ ]Transliteration in Arabic Script.